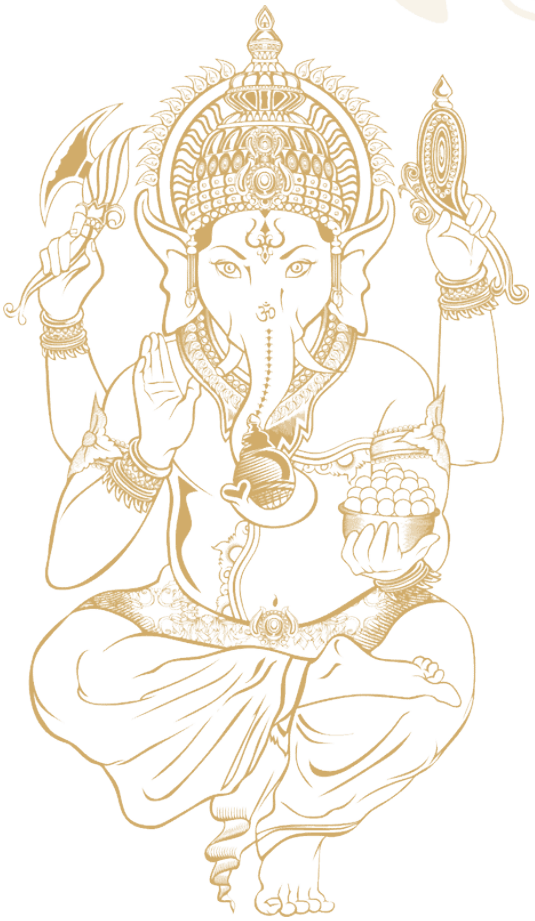

Hi

20 Jul 2001

03:50 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121748710

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19-20/07/2001**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:50:00 घंटे**
इष्ट	55:24:48 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:26:20 घंटे
वेलान्तर	-00:06:17 घंटे
साम्पातिक काल	23:17:26 घंटे
सूर्योदय	05:40:04 घंटे
सूर्यास्त	19:19:26 घंटे
दिनमान	13:39:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:24:56 कर्क
लग्न के अंश	08:19:59 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	के-केसरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:19:59	327:52:35	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			कर्क	03:24:56	00:57:17	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	20:58:51	14:46:49	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		वृश्चि	21:14:03	00:00:01	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध			मिथु	16:03:00	01:39:24	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	07:39:04	00:13:04	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	21:50:39	01:07:20	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
शनि			वृष	17:10:22	00:06:11	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:26:52	00:00:36	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:26:52	00:00:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	29:59:56	00:02:03	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	13:47:30	00:01:36	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:58:33	00:01:02	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	24:32:46	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:27

लग्न-चलित

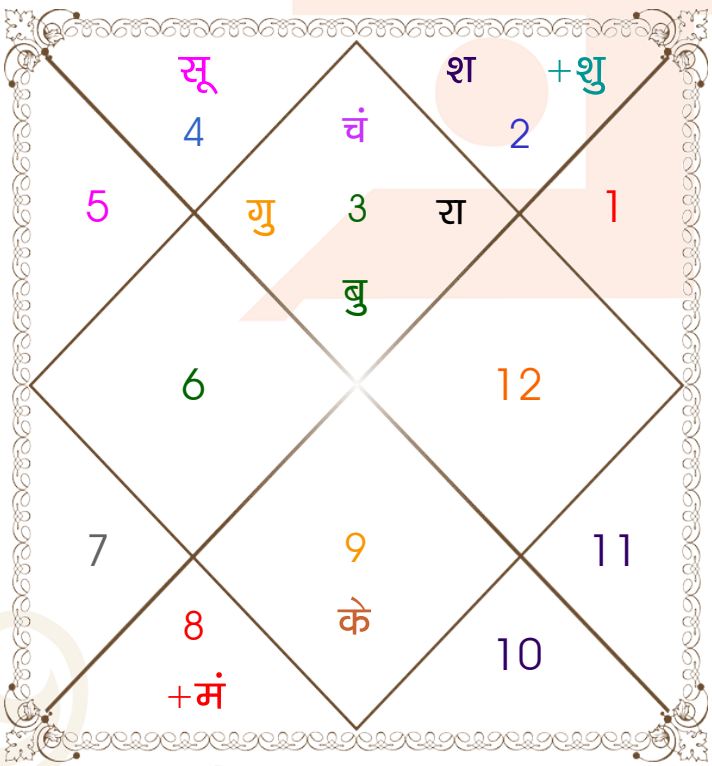

चन्द्र कुंडली

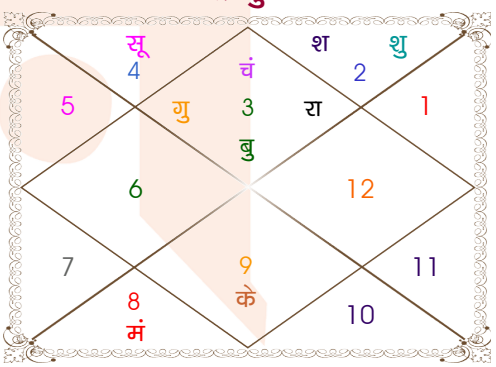

नवमांश कुंडली

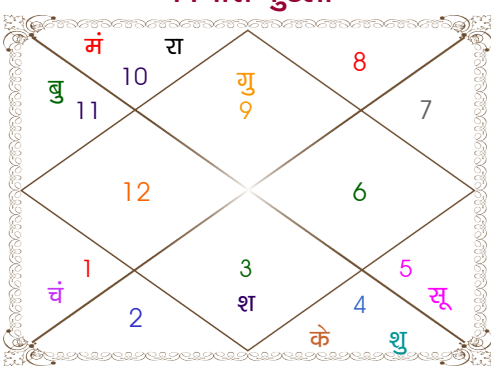

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 9 मास 26 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
20/07/2001		16/05/2016		16/05/2035		16/05/2052		16/05/2059	
16/05/2016		16/05/2035		16/05/2052		16/05/2059		16/05/2079	
गुरु	04/07/2002	शनि	20/05/2019	बुध	12/10/2037	केतु	12/10/2052	शुक्र	15/09/2062
शनि	14/01/2005	बुध	27/01/2022	केतु	09/10/2038	शुक्र	12/12/2053	सूर्य	15/09/2063
बुध	22/04/2007	केतु	07/03/2023	शुक्र	09/08/2041	सूर्य	19/04/2054	चंद्र	16/05/2065
केतु	28/03/2008	शुक्र	07/05/2026	सूर्य	16/06/2042	चंद्र	18/11/2054	मंगल	16/07/2066
शुक्र	27/11/2010	सूर्य	19/04/2027	चंद्र	15/11/2043	मंगल	16/04/2055	राहु	16/07/2069
सूर्य	15/09/2011	चंद्र	17/11/2028	मंगल	11/11/2044	राहु	04/05/2056	गुरु	16/03/2072
चंद्र	14/01/2013	मंगल	27/12/2029	राहु	01/06/2047	गुरु	09/04/2057	शनि	16/05/2075
मंगल	21/12/2013	राहु	02/11/2032	गुरु	06/09/2049	शनि	19/05/2058	बुध	16/03/2078
राहु	16/05/2016	गुरु	16/05/2035	शनि	16/05/2052	बुध	16/05/2059	केतु	16/05/2079

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/05/2079		16/05/2085		16/05/2095		17/05/2102		17/05/2120	
16/05/2085		16/05/2095		17/05/2102		17/05/2120		00/00/0000	
सूर्य	03/09/2079	चंद्र	16/03/2086	मंगल	13/10/2095	राहु	27/01/2105	गुरु	21/07/2121
चंद्र	04/03/2080	मंगल	15/10/2086	राहु	30/10/2096	गुरु	23/06/2107		00/00/0000
मंगल	10/07/2080	राहु	15/04/2088	गुरु	06/10/2097	शनि	29/04/2110		00/00/0000
राहु	03/06/2081	गुरु	15/08/2089	शनि	15/11/2098	बुध	15/11/2112		00/00/0000
गुरु	22/03/2082	शनि	17/03/2091	बुध	12/11/2099	केतु	04/12/2113		00/00/0000
शनि	04/03/2083	बुध	15/08/2092	केतु	10/04/2100	शुक्र	04/12/2116		00/00/0000
बुध	09/01/2084	केतु	16/03/2093	शुक्र	10/06/2101	सूर्य	28/10/2117		00/00/0000
केतु	16/05/2084	शुक्र	15/11/2094	सूर्य	16/10/2101	चंद्र	29/04/2119		00/00/0000
शुक्र	16/05/2085	सूर्य	16/05/2095	चंद्र	17/05/2102	मंगल	17/05/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 14 वर्ष 9 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।